आयोजन समिति

संरक्षक

डॉ. बंश गोपाल सिंह
कुलपति
पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सह संरक्षक

भुवन सिंह राज
कुलसचिव
पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

संयोजक

डॉ. हीरालाल शर्मा
मो. 7000499014
विभागाध्यक्ष - हिंदी

सह-संयोजक

डॉ. बीना सिंह
मो. 8839017319
विभागाध्यक्ष - शिक्षा विभाग

संयोजक सचिव

डॉ. संजीव कुमार लवानियां
मो. 8476985418
विभागाध्यक्ष - समाजशास्त्र

सह सचिव

डॉ. मोरध्वज त्रिपाठी
मो. 8770588723
विभागाध्यक्ष - वाणिज्य

सदस्य

प्रो. बी.के. सोनी - 9826485424
डॉ. धनंजय मिश्र - 9039309133
डॉ. संतोष बाजपेयी - 9425548044
डॉ. अनिता सिंह - 9827118808
डॉ. प्रकृति जेम्स - 9993450848
डॉ. जयपाल सिंह प्रजापति - 9229703055
डॉ. प्रीति रानी मिश्रा - 7587365320
डॉ. रेशम लाल प्रधान - 7024383191
डॉ. एस. रूपेंद्र राव - 8817956122
डॉ. पुष्कर दुबे - 9938973044
डॉ. वर्षा शशि नाथ - 7000475114
श्री प्रवीण टोप्पो - 7974437364
डॉ. ओमप्रकाश पटेल - 9827993693

संभावित सम्माननीय विशिष्ट वक्ता

माननीय स्वामी सेवाव्रतानंद जी
रामकृष्ण मठ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

माननीय श्री राकेश जैन जी
प्रयागराज (उत्तरप्रदेश)

माननीय श्री सुनील देवधर जी
पुणे (महाराष्ट्र)

माननीय श्री प्रेमशंकर सिदार जी
जबलपुर (मध्यप्रदेश)

माननीय श्री प्रवीण गुप्ता जी
सतना (मध्यप्रदेश)

माननीय प्रो. सच्चिदानंद जोशी जी
नई दिल्ली

माननीय प्रो. बलदेव भाई शर्मा जी
रायपुर (छत्तीसगढ़)

माननीय प्रो. ए. डी. एन. वाजपेयी जी
बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

माननीय प्रो. कामेश्वरनाथ सिंह जी
बोधगया (बिहार)

माननीय प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला जी
रायपुर (छत्तीसगढ़)

भारत में सामाजिक परिवर्तन के अपेक्षित आयाम

(संदर्भ : विकसित भारत @2047)

पर

तीन दिवसीय

राष्ट्रीय-संगोष्ठी

(दिनांक 2-4 फरवरी, 2025)

आयोजक

हिंदी विभाग
समाजशास्त्र विभाग
शिक्षा विभाग
वाणिज्य विभाग

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय
छत्तीसगढ़, बिलासपुर

नैक द्वारा ग्रेड "A+" प्रदत्त, एवं
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा श्रेणी-2 स्वायत्तता प्रदत्त विश्वविद्यालय

www.pssou.ac.in

विश्वविद्यालय के संदर्भ में : -

मानव जीवन के सर्वांगीण विकास में शिक्षा की भूमिका अपरिहार्य है। मनुष्य के जीवन में आने वाली बाधाएँ, उसकी शैक्षिक पिपासा को सीमित न कर सके एवं मनुष्य की शैक्षिक उन्नति बनी रहे इस उद्देश्य को पूरा करने हेतु मुक्त विश्वविद्यालय में प्रचलित शिक्षा-पद्धति की महती भूमिका है। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में स्थित पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, भारत का 11वाँ मुक्त विश्वविद्यालय है, इसकी स्थापना छत्तीसगढ़ शासन के अधिनियम क्रमांक 26 सन् 2004 द्वारा की गयी है। यह अधिनियम 20 जनवरी 2005 में लागू हुआ। विश्वविद्यालय का नाम महान स्वतंत्रता सेनानी, साहित्यकार, समाज सुधारक एवं छत्तीसगढ़ के गाँधी के रुप में विख्यात पण्डित सुन्दरलाल शर्मा जी की स्मृति को आलोकित कर रहा है।

विश्वविद्यालय 'स्वाध्यायः परम् तपः' के ध्येय वाक्य के साथ 'उच्च शिक्षा आपके द्वार' मूल वाक्य को चरितार्थ करते हुए छात्र हित एवं विकास की ओर निरन्तर प्रयत्नशील है। विश्वविद्यालय के अंर्तगत 06 क्षेत्रीय केन्द्र तथा एक उप क्षेत्रीय केन्द्र एवं 152 अध्ययन केन्द्र संचालित हैं। विश्वविद्यालय को NAAC द्वारा A+ ग्रेड प्राप्त है। विश्वविद्यालय मुख्यालय परिसर बिलासपुर लगभग 71 एकड़ में फैला हुआ है।

बिलासपुर शहर एक परिचय : -

बिलासपुर छ.ग. राज्य के 33 जिलों में से एक है। बिलासपुर, राज्य की राजधानी रायपुर से लगभग 111 कि.मी. उत्तर में स्थित है। यह राज्य की न्यायधानी एवं प्रशासनिक दृष्टि से राज्य का दूसरा प्रमुख शहर है। बिलासपुर कृषि के क्षेत्र में चावल के विशेष किस्म (दुबराज, विष्णुभोग) आदि के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ के हाथकरघा उद्योग से बनी कोसे की साड़ियाँ प्रसिद्ध है। बिलासपुर सांस्कृतिक रुप से भी प्रसिद्ध है। यहाँ के स्थानीय पर्व में सुआनृत्य, भोजली, राउत नाचा, पोला इत्यादि प्रमुख रुप से मनाए जाते हैं। अर्थव्यवथा की दृष्टि से ऊर्जा के क्षेत्र में बिलासपुर संभाग का देश में महत्वपूर्ण स्थान है, इसके आसपास के क्षेत्रों में कई विद्युतगृहों में लगभग 10,000 से 15,000 मेगावाट बिजली का उत्पादन होता है। पर्यटन की दृष्टिकोण से यहाँ शहर में अनेक स्थल हैं, जिसमें विवेकानंद उद्यान, ऊर्जा पार्क, स्मृति वन, यातायात पार्क, बिलासा ताल आदि हैं। शहर के निकटतम दर्शनीय स्थल मल्हार, अमरकंटक, कानन पेण्डारी (मिनी ज़ू), रतनपुर महामाया मंदिर, तालागाँव, चैतुरगढ़ प्रसिद्ध है।

2.1 शिक्षा के क्षेत्र में :- शिक्षा की दृष्टि से बिलासपुर में राज्य के पाँच प्रमुख विश्वविद्यालय हैं इसके अलावा इंजी., चिकित्सा एवं कृषि महाविद्यालय स्थित है।

2.2 आवागमन सुविधा :- छ.ग. राज्य के सभी शहरों को जोड़ने के लिए यहाँ से बस सेवाएं हैं व बिलासपुर रेल्वे स्टेशन छ.ग. के व्यस्ततम रेल मार्ग में से एक है। दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे जोन का मुख्यालय बिलासपुर में स्थित है। हवाई सेवाओं के लिए हवाई अड्डा चकरभाठा, बिलासपुर एवं हवाई अड्डा रायपुर है।

संगोष्ठी के विषय में

भारत एक विकसित राष्ट्र की ओर तेजी से बढ़ रहा है। 21वीं सदी निश्चित ही भारत की है। वर्तमान भारत में चौतरफा बहुआयामी विकास एवं समृद्धि की बयार है एवं दिन-प्रतिदिन भारत प्रत्येक क्षेत्र में नये-नये कीर्तिमान स्थापित हो रहे हैं। भारत पुनः अपना खोया हुआ वैभव प्राप्त करने की ओर अग्रसर है। स्वर्णिम युग के स्पंदन से भारत विश्व गुरु के रुप में विश्व का नेतृत्व करने के लिए तैयार है।

भारत का स्तम्भ आधार उसकी समावेशी संस्कृति, पारिवारिक मूल्य, कुटुम्ब एवं सामाजिक व्यवस्था है, जिसने भारत को विपरीत परिस्थितियों में भी खड़ा रखा, चाहे वो विदेशी मुस्लिम आक्रांताओं या अँग्रजों का भारत पर शासन रहा हो। विदेशी आक्रांताओं ने भारत को छिन्न-भिन्न करने के बहुत प्रयास किए जिससे भारत थोड़ा सा झुका जरुर लेकिन पुनः और मजबूत होकर खड़ा हुआ है। भारत की शक्ति उसकी समावेशी संस्कृति, सहिष्णुता, त्याग एवं मूल्य आधारित परिवार-सामाजिक व्यवस्था में छिपी हुई है, जिसने भारत को समरसता से पूर्ण समाज बनाए रखा है।

आधुनिक सामाजिक परिवर्तन, जो तकनीकी प्रगति, वैश्वीकरण, शहरीकरण, और सांस्कृतिक बदलावों से प्रेरित है ने हमारे समाज को गहरा से प्रभावित किया है। ये परिवर्तन एक ओर विकास और प्रगति के नए अवसर प्रदान कर रहे हैं तो दूसरी ओर कई जटिल समस्याओं को भी जन्म दे रहे हैं। इन समस्याओं का प्रभाव समाज के प्रत्येक वर्ग पर पड़ रहा है और ये सामाजिक संतुलन को भी चुनौती दे रहे हैं।

आधुनिकता और शहरीकरण ने पारंपरिक संयुक्त परिवार प्रणाली को कमजोर कर दिया है। लोग अब छोटे परिवारों में रहना पसंद करते हैं, जिससे भावनात्मक और सामाजिक समर्थन में कमी आयी है। सांस्कृतिक बदलाव और पाश्चात्य प्रभावों के कारण नैतिक मूल्यों और पारंपरिक आदर्शों में गिरावट आयी है। आधुनिक जीवनशैली में उपभोक्तावाद और व्यक्तिवाद बढ़ा है, जिससे समाज में आपसी सहयोग और सहिष्णुता कम हो रही है। तकनीकी प्रगति और सोशल मीडिया का व्यापक उपयोग सामाजिक परिवर्तन का प्रमुख कारक है, लेकिन इससे कई समस्याएं भी उत्पन्न हुई हैं। आधुनिक सामाजिक परिवर्तन के साथ पारंपरिक रोजगार के साधनों में कमी आयी है। औद्योगिकीकरण और स्वचालन ने रोजगार के अवसरों को कम किया है, जबकि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक असमानता बढ़ी है। आधुनिकता और औद्योगिकीकरण ने पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव डाला है। प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन और प्रदूषण ने जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं को बढ़ावा दिया है। सामाजिक बदलावों के बावजूद जाति और धर्म आधारित भेदभाव अभी भी समाज में व्याप्त है। आधुनिकता के साथ यह भेदभाव कई बार हिंसक रुप ले लेता है। आधुनिक जीवनशैली में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, तनाव, और अलगाव ने मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ावा दिया है।

इन समस्याओं को हल करने के लिए जागरुकता, सहयोग, और समावेशी नीतियों के विमर्श की आवश्यकता है। समाज के लिए यह आवश्यक है कि वह आधुनिकता को अपनाते हुए अपनी सांस्कृतिक और नैतिक जड़ों को मजबूत कैसे बनाए रखे और इससे भी अधिक एक संतुलित तथा प्रगतिशील समाज का निर्माण प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य है। वर्तमान परिदृश्य में सामाजिक परिवर्तन जटिलता और परस्पर निर्भरता की विशेषता है। जैसे-जैसे समाज इन परिवर्तनों से गुज़रता है, सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और नवाचार को अपनाने के बीच संतुलन बनाना महत्वपूर्ण है। सामाजिक परिवर्तन के चालकों और निहितार्थों को समझने, बदलती वास्तविकताओं से अनुकुल होने और अधिक न्यायसंगत-समावेशी भविष्य में योगदान करने हेतु यह संगोष्ठी समर्पित है।

उप विषय : -

- स्व बोध
- कुटुम्ब प्रबोधन
- सामाजिक समरसता
- पर्यावरण संरक्षण
- मानव सेवा धर्म
- नागरिक कर्तव्य बोध
- तुष्टीकरण जन्य समस्याएं एवं निराकरण
- संस्थाओं के क्षरण के कारण एवं उपाय
- उद्यमशील समाज का विकास
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं सामाजिक परिवर्तन
- विविध प्रांसगिक विषय

पंजीयन-प्रपत्र

नाम : .....

पद : .....

संस्थागत पता : .....

.....

मोबाईल नं. : ..... ईमेल : .....

शोध का विषय / शार्षक : .....

पंजीयन राशि : .....

दिनांक : ..... हस्ताक्षर : .....

नोट : प्रतिभागियों से निवेदन है कि वे अपना शोध-आलेख सारांश (Abstract) 2000 से 3000 शब्दों में दिनांक 30 जनवरी, 2025 तक singh.jaipal82@gmail.com पर भेजें। हिंदी में कृतिदेव 011 एवं अँग्रेजी में Time New Roman वांछनीय है।

बैंक ऑफ बडौदा खाता क्रमांक - 58100100000222

IFSC कोड - BARB0BIRKON (FIFTH CHARACTER IS ZERO)

पंजीयन लिंक : https://forms.gle/2dBSEjpNQwpm2rkw7

पंजीयन की अंतिम तिथि - 30 जनवरी, 2025

पंजीयन शुल्क : शिक्षक / अधिकारी राशि रु. 1000 / -

शोधार्थी / विद्यार्थी राशि रु. 500 / -

पंजीकरण/आवास समिति सम्पर्क सूत्र

डॉ. संजीव कुमार लवानियां - 8476985418

डॉ. प्रीति रानी मिश्रा - 7587365320

डॉ. प्रवीण कुमार टोप्पो - 7974437364

श्री विश्वास जलताड़े - 9827994326

श्री सौरभ वर्तक - 940630440

इच्छुक प्रतिभागी आवास की व्यवस्था के लिए कृपया एक सप्ताह पूर्व सूचित करें।